प्रोफेसर यशपाल समिति –

1992 में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय सलाहकार समिति का गठन किया। इस समिति में देश के 8 शिक्षाविदों को शामिल किया गया। जिसके अध्यक्ष प्रो. यशपाल बने।

प्रोफेसर यशपाल समिति का उद्देश्य –

- शिक्षा के सभी स्तरों पर विद्यार्थियों, विशेषकर छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों पर पढ़ाई के दौरान पड़ने वाले बोझ को कम किया जाए? साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में कैसे सुधार लाया जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

- प्राप्त मत, विचार, सुझाव आदि के आधार पर समिति ने 15 जुलाई, 1993 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति ने कहा कि 'बच्चों के लिए स्कूली बस्तें के बोझ को बुरा ना समझ पाने का बोझ हे।'
- समिति की रिपोर्ट का शीर्षक 'शिक्षा बिना बोझ के'
- समिति ने कहा कि 'भारी बस्ता सिर्फ एक बोझ है।'

यशपाल समिति के मुख्य सुझाव व रिपोर्ट –

1. पब्लिक स्कूलों की प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों के स्कूल बस्ते का औसत भार 4 किग्रा. के लगभग हो।
2. प्राथमिक स्तर पर विज्ञान की पुस्तकें ना हो।
3. भाषा को जीवन से जोड़कर पढ़ा जाए।

Dr. Mukesh Pancholi

4. गणित को रटने की बजाय समझाना।
5. कक्षा 6^{th} से 8^{th} तक स्वतंत्रता के बारे में इतिहास पढ़ाया जाए।
6. बच्चों को रोज की दिनचर्या में अपनी सहज क्षमताओं को दिखाने का अवसर नहीं मिलता है। उन्हें खेलने, साधारण आनंद लेने, सोचने-समझने और विश्व को जानने का समय नहीं मिलता है।
7. पाठ्यक्रम को पूरा करना ही अपने आप में लक्ष्य बन गया है, इसका शिक्षा के दार्शनिक व सामाजिक लक्ष्यों से कोई सरोकार नहीं है।
8. अत्यधिक बड़ी कक्षाओं, भारी पाठ्यक्रम, कठिन पुस्तकों आदि के कारण बच्चों के समग्र व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता।

Dr. Mukesh Pancholi

9. स्कूली जीवन में जीवंतता नहीं होती, तथा वह उत्तरोत्तर, नीरस, बोझिल व अप्रासंगिक बनता जाता है।
10. पाठ्यक्रम पुस्तकों में किसी वस्तु का अवलोकन कराने के स्थान पर उस वस्तु के चित्र के अवलोकन को कहा जाता है। अनुभव के स्थान पर चित्र का प्रयोग करना पाठ्य देखने में 1 दिन का चिंता बनकर उभरेगी।
11. स्कूलों की अत्यंत खराब हालत, शिक्षकों की अनुपस्थिति, पाठ्यक्रम का बोझ शहर से ग्रामीण भारत तक फैला है।
12. स्कूल जाने वाले अधिकतर बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा, नीरस, बोझिल, अरुचिकर, कटु अनुभव प्रदान करने वाली प्रतीत होती है।

Dr. Mukesh Pancholi

विशेष –

- प्राथमिक स्तर पर छात्र शिक्षक अनुपात 1 : 40 से घटाकर 1 : 30 इसी समिति की रिपोर्ट पर हुआ।
- NCF (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या) की रूपरेखा तैयार करने हेतु 38 सदस्यों की समिति के अध्यक्ष भी प्रोफेसर यशपाल ही थे।
- यशपाल समिति का अन्य नाम 'राष्ट्रीय सलाहकार समिति' था।
- 'ज्ञान विस्फोट' की अवधारणा यशपाल समिति से ही समृद्ध है।

Dr. Mukesh Panchal

राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, 2005 –

ज्ञान आधारित समाज की संकल्पना व प्राथमिक स्तर से अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा को अनिवार्य करने की सिफारिश की गई।

इस आयोग के अध्यक्ष सैम पित्रोदा थे। यह एक भारतीय थिंक टैंक था, जो गहन सेवा क्षेत्रों में भारत के तुलनात्मक लाभ को तेज कर सकता है, इसका गठन 13 जून, 2005 को किया गया, भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के द्वारा 3 वर्ष की समय सीमा के साथ (2 Oct. 2005 to 2008 तक)

Dr. Mukesh Pancholi

विशेष रूप से आयोग को प्रधानमंत्री कार्यालय को शिक्षा, अनुसंधान संस्थानों व भारत में ज्ञान अर्थव्यवस्था को प्रतियोगी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों को निर्देशित करने के लिए सलाह देना था।

13 जून, 2005 के सरकारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के संदर्भ (Reference) की शर्तें निम्न है –

- 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने और ज्ञान के क्षेत्र में भारत के प्रतियोगी लाभ को बढ़ाने के लिए शैक्षिक प्रणाली में उत्कृष्टता का निर्माण करें।
- विज्ञान व प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं में ज्ञान के सृजन को बढ़ावा देना।

Dr. Mukesh Panchal

- बौद्धिक संपदा अधिकारों में लगे संस्थानों के प्रबंधन में सुधार करना।
- कृषि और उद्योग में ज्ञान अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
- सरकार की नागरिक के प्रति प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह सत्ता प्रदाता बनाने में ज्ञान क्षमताओं के उपयोग को बढ़ावा देना।

इस आयोग के कार्यों को देखते हुए इसका कार्यकाल और बढ़ा दिया। मार्च 2009 तक (अक्टूबर 2008 तक तो चलना अनिवार्य था)

संक्षेप में इस आयोग ने ज्ञान आधारित समाज की संकल्पना व प्राथमिक शिक्षा स्तर पर अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा अनिवार्य करने की सिफारिश की है।

Dr. Mukesh Pancholi

1. जैकब डेलर्स से संबंधित है -

(A) POA, 1992

(B) प्रबुद्ध व मानवीय समाज की ओर

(C) Learning the treasure within

(D) 21वीं शताब्दी की शिक्षा का मसौदा

Dr. Mukesh Pancholi

2. भारतीय थिंक टैंक -

(A) रामलाल पारेख समिति

(B) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग

(C) गुणवत्ता शिक्षा रिपोर्ट

(D) एम. बी. बुच समिति रिपोर्ट

Dr. Mukesh Pancholi

3.सेवाओं के क्षेत्र से संबंधित आयोग जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान को प्रतियोगी बनाना रहा -

(A) सैम पित्रोदा समिति / आयोग

(B) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग

(C) आचार्य राममूर्ति समिति

(D) लिंगदोह समिति

Dr. Mukesh Pancholi

4. (I) बिना बोझ के शिक्षा
(II) शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार
(III) भारी बस्ता सिर्फ एक बोझ
(IV) ज्ञान विस्फोट की धारणा
उपरोक्त कथन किस समिति से संबंधित है?
(A) के. एल. माली
(B) यशवर्द्धन समिति
(C) शिक्षा आयोग
(D) यशपाल समिति

Dr. Mukesh Pancholi

5. यशपाल समिति रिपोर्ट का शीर्षक क्या था?

(A) बिना बोझ शिक्षा

(B) शिक्षा बिना बोझ के

(C) सोच बिना बोझ

(D) शिक्षा बिना बोझ सोच के साथ

Dr. Mukesh Pancholi

6. निम्न कथनों पर विचार कीजिए व गलत कथन/कथनों को छांटिए –

I. प्राथमिक स्तर पर छात्र शिक्षक अनुपात 1 : 40

II. अनुभव सहित शिक्षा

III. शिक्षा का दार्शनिक व सामाजिक लक्ष्यों से कोई सरोकार नहीं है।

IV. प्राथमिक स्तर भाषा का ज्ञान व्यावहारिक हो।

(A) I, III, IV

(B) II, III

(C) III, IV

(D) I, III

Dr. Mukesh Pancholi

7. (I) अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा को अनिवार्य करना
(II) भारत ज्ञान अर्थव्यवस्था में प्रतियोगी बनाने के सुझाव
(III) कृषि उद्योग में ज्ञान अनुप्रयोग को बढ़ावा।
उपरोक्त तथ्य संबंधित है -
(A) जनार्दन राम रेड्डी समिति
(B) गणनाम समिति
(C) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग
(D) राममूर्ति समिति

Dr. Mukesh Pancholi

8. (A) कृषि उद्योग, विज्ञान, आदि में ज्ञान के अनुप्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

(R) वर्ष 2005 में सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया ताकि ज्ञान आधारित समाज की संकल्पना को साकार रूप दिया जा सके।

(A) A & R दोनों पूर्णतया संबंधित नहीं है।

(B) A & R दोनों पूर्णतया संबंधित है।

(C) A गलत है, R सही है।

(D) R गलत है, A सही है।

Dr. Mukesh Pancholi

9. सैम पित्रोदा समिति से संबंधित तथ्यों को सुमेलित कीजिए -

दिनांक	तथ्य
(a) 2 अक्टूबर, 2005	(i) कार्यरत
(b) 13 जून, 2005	(ii) गठन वर्ष
(c) मार्च 2009	(iii) कार्यकाल को बढ़ाया गया

कोड :

	(a)	(b)	(c)
(A)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)

Dr. Mukesh Pancholi

10. यशपाल समिति को कहा जाता है -

(A) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग

(B) राष्ट्रीय शिक्षा मंडल

(C) राष्ट्रीय सलाहकार समिति

(D) राष्ट्रीय शिक्षा आयोग

Dr. Mukesh Pancholi